(SHRI P.V. RANGAYYA NAIDU) : (a) and (b) The latest estimated cost of the project is Rs. 105.90 crores. The anticipated expenditure upto March, 1995 is Rs. 33.14 crores. VIII Plan outlay for the project is Rs. 87.00 crores. No. Irrigation Potential has been created out of the ultimate potential of 35,450 hectares.

(c) to (c)The project is likely to spill over beyond VIII Plan. Its completion date depends upon priority attached and the funds allocation by the State Government.

नहरों से जल का रिसाव

7554. **श्री आस मोहम्मद:** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि टेढ़ी-मेढ़ी नहरों से होने वाले रिसाव के कारण 25 प्रतिशत जल की हानि होती है जो कि बाढ़ आने का मुख्य कारण है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार ने 31 मार्च, 1995 तक नहरों मे रिसाव को रोकने के लिए क्या प्रयास किए हैं तथा इस संबंध में कितनी सफलता प्राप्त हुई है?

जल संसाधन मंत्रालय में राजय मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू): (क) और (ख) नहरों में रिसाव और वाष्पीकरण के कारण सतही प्रणाली से होने वाली जल हानि 25 से 45 प्रतिशत के बीच भिन्न-भिन्न है जो मृदा विशेषताओं तथा अन्य तथ्यों पर निर्भर करती है। इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा भूजल की भरपाई कर देती है। नहरों से रिसाव के कारण हुई बाढ़ की कोई सूचना नहीं मिली है।

(ग) नहरों में रिसाव को कम करने के लिए वित्तीय प्रभाव और लागत प्रभावकारिता को ध्यान में रखते हुए, सुभेद्य पहुंचों के चुनिन्दा स्तरों को पक्का किया जाता है।

गुजरात में भू-जल स्तर में कमी होना

7555. **श्री अनन्तराम देवशंकर दवे:**
श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:

क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गुजरात में विशेषकर सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र में भू-जल स्तर में तेजी से कमी हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केन्द्रीय भूजल बोर्ड ने राज्य में भूजल की उपलब्धता का पता लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाये है?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू): (क) और (ख) गुजरात में, विशेषकर सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र में भूजल स्तर में तेजी से कोई गिरावट नहीं देखी गई है। तथापि, भूजल के स्तर के दीर्घावधिक प्रेक्षणों से पता चला है कि जूनागढ़, अमरेली, जामनगर, राजकोट, सुरेन्द्र नगर, कच्छ, भावनगर, अहमदाबाद, बडोदरा, गांधीनगर, साबरकांठा, मेहसाणा और बनासकांठा जिलों के विशेष स्थानों में भूजल स्तर में धीरे-धीरे गिरावट हुई है।

(ग) जी, हां।

(घ) गुजरात में केन्द्रीय भूजल बोर्ड द्वारा किए गए सर्वेक्षण और अन्वेषण के अनुसार, राज्य के भूजल संसाधनों की उपलब्धता 22551.71 मिलियन घन मीटर आंकी गई है।

(ङ) भूजल के विकास की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है।

गुजरात में सिंचाई परियोजनाओं का पूरा किया जाना

7556. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात की उन निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है जिनके पूरा होने में तीन वर्ष से अधिक का विलंब हो गया है;

(ख) इन परियोजनाओं को पूरा करने में क्या कठिनाइयां आ रही है;

(ग) इनके पूरा होने में विलंब के परिणामस्वरूप इनकी लागत में अनुमानतः कितनी वृद्धि हुई है; और

(घ) सरकार द्वारा इन परियोजनाओं को वर्तमान समय-सारणी में पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए है?